भाकृअनुप–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान

जी.टी. रोड, रावतपुर, कानपुर – 208 002
(उत्तर प्रदेश)
An ISO 9001:2015 Certified

(O) : (0512) 2533560, 2554746
Fax : (0512) 2533560, 2554746
Website : http://atarik.res.in
E-mail : zpdicarkanpur@gmail.com

डा. अतर सिंह
निदेशक

दि.: 26–06–2021

वर्ष 2021 के आगामी 6 माह की कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतिविधियों की तैयारी के लिये कार्यशाला

दि. 26 जून 2021 को भाकृअनुप–अटारी कानपुर द्वारा उ.प्र. के कृषि विज्ञान केन्द्रों की आगामी 6 माह की गतिविधियों की तैयारी विशेषकर खरीफ ऋतु की बुवाई की स्थिति, रबी की तैयारी, प्रक्षेत्र प्रदर्शनों की स्थिति, बजट की स्थिति, विभिन्न परियोजनाओं के अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्य, प्रशिक्षणों, प्रयुक्त तकनीकों संबंधित दिशा निर्देश देने के लियेआनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता डा. अतर सिंह, निदेशक भाकृअनुप–अटारी कानपुर ने की।

अटारी निदेशक डा. अतर सिंह ने बताया कि कृषि विज्ञान केन्द्र समस्त इन्फारमेशन समय पर उपलब्ध करायें जिससे हेडक्वार्टर को समय पर जानकारी पहुँचाई जा सके। साथ ही समस्त केवीके एवं निदेशक प्रसार यू.सी. एवं ए.यू.सी. समय पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें जिससे समय पर बजट उपलब्ध कराया जा सके। कई केवीके विशेषकर ए. एन.डी.यू.ए.टी. एवं भाकृअनुप केवीके की यू.सी. व ए.यू.सी. समय पर नहीं प्राप्त हो रही है। सी.एफ.एल.डी. तिलहन–दलहन के अन्तर्गत एरिया एलाटमेंट कर दिया गया है, बजट भी आने पर उपलब्ध करा दिया जाएगा। इसके अन्तर्गत जो क्षेत्रफल आवंटित किया गया है वह अनिवार्य है तथा उसमें परिवर्तन नहीं किया जाएगा।सी.एफ. एल.डी. तिलहन–दलहन के अन्तर्गत केवीके जो भी किसान चयनित करें उनकी सूची अटारी को अवश्य भेजें। सी. एफ.एल.डी. के अन्तर्गत 1 क्लस्टर 10 हैक्टेयर का बने।सी.एफ.एल.डी. दलहन में जिसमें जिनका 100 है. से अधिक का क्षेत्र है वे 1 वर्ष के लिये पल्सेस टेक्नोलाजी एजेन्ट रखेंगे।भाकृअनुप की तरफ से जो बायोफोर्टिफाइड किस्में जारी की गई हैं उनका 10 प्रतिशत तथा 10 प्रशित एस्पेरेशनल डिस्ट्रिक्ट का प्रदर्शन लगायें। समस्त एफ.एल.डी. की जियो टैगिंग कराना जरूरी है।एस.सी.एस.पी. प्रोजेक्ट भारत सरकार का महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है परन्तु इसके अनतर्गत बहुत कम धनराशि खर्च की गई है, धनराशि बचने पर पर पैसा वापस चला जाता है तथा बजट कम हो जाएगा अतः केवीके यह सुनिश्चित करें कि धन का उपयोग हो।केवीक में विषय वस्तु विशेषज्ञ वैज्ञानिक अपने विषयानुसार किसानों से संपर्क करके प्रयुक्त तकनीकों पर उनका फीडबैक लें।डी.एफ.आई. का फारमैट सबको उपलब्ध करा दिया गया है। प्रत्येक केवीके को फारमैट में प्रति केवीके 110 किसानों की सफलता की कहानी का डाक्यूमेंटेशन करना है।केवीके प्रदर्शनों की फोटोग्राफी के लिये मोबाइल कैमरा की जगह डिजीटल कैमरा का प्रयोग करें। अधिकतर केवीके को कैमरा उपलब्ध कराया गया है। प्रदर्शनों से पहलें एव बाद में अच्छी क्वालिटी की फोटो अवश्य लें।एफ.पी. ओ. की जानकारी देने के लिये केवीके कैम्पस में फ्लो चार्ट एवं अन्य जानकारियों के चार्ट अवश्य उपलब्ध करायें जिससे किसान जानकारी प्राप्त कर सकें।

कार्यशाला में डा. अतर सिंह भाकृअनुप–अटारी कानपुर निदेशक, अटारी के पधान वैज्ञानिक एवं अधिकारी, समस्त उ.प्र. राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के निदेशक प्रसार, भाकृअनुप संस्थानों के निदेशक, कृषि विज्ञान केन्द्रों के अध्यक्ष एवं वैज्ञानिक सहित 200 से अधित की संख्या में प्रतिभागी आनलाइन उपस्थित रहे।

ICAR-Agricultural Technol
Research Institute

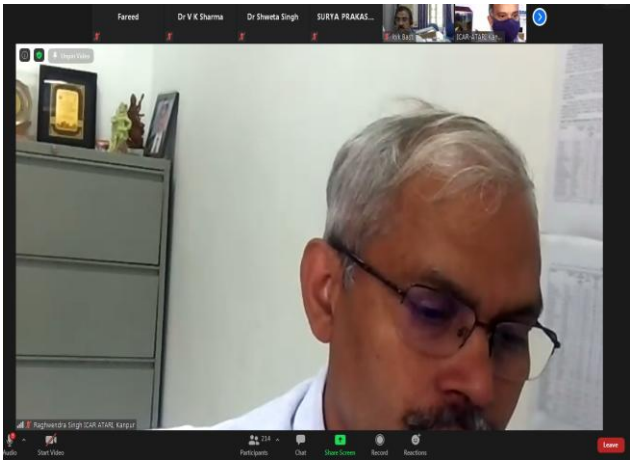

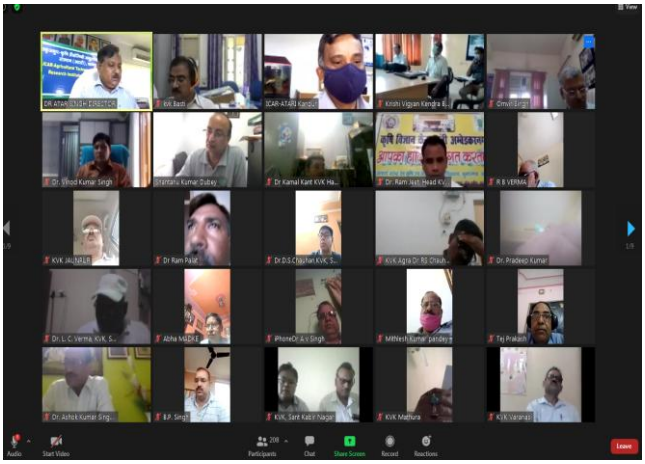

वर्ष2021केआगामी6माहकीकृषिविज्ञानकेन्द्रोंकीगतिविधियोंकीतैयारीकेलियेकार्यशाला

दि. 26जून2021कोभाकृअनुप-अटारीकानपुरद्वाराउ.प्र. केकृषिविज्ञानकेन्द्रोंकीआगामी6माहकीगतिविधियोंकीतैयारीविशेषकरखरीफऋतुकीबुवाईकीस्थिति, रबीकीतैयारी, प्रक्षेत्रप्रदर्शनोंकीस्थिति, बजटकीस्थिति, विभिन्नपरियोजनाओंकेअन्तर्गतकरायेजानेवालेकार्य, प्रशिक्षणों, प्रयुक्ततकनीकोंसंबंधितदिशानिर्देशदेनेकेलियेआनलाइनकार्यशालाआयोजितकीगईजिसकीअध्यक्षताडा. अतरसिंह, निदेशकभाकृअनुप-अटारीकानपुरनेकी।

अटारीनिदेशकडा. अतरसिंहनेबतायाकिकृषिविज्ञानकेन्द्रसमस्तइन्फारमेशनसमयपरउपलब्धकरायेंजिससेहेडक्वार्टरकोसमयपरजानकारीपहुँचाईजासके।साथ हीसमस्तकेवीकेएवंनिदेशकप्रसारयू.सी. एवंए.यू.सी. समयपरउपलब्धकरानासुनिश्चितकरेंजिससेसमयपरबजटउपलब्धकरायाजासके।कईकेवीकेविशेषकरएएन.डी.यू.ए.टी. एवंभाकृअनुपकेवीकेकीयू.सी. वए.यू.सी. समयपरनहींप्राप्तहोरहीहै।सी.एफ.एल.डी. तिलहन-दलहनकेअन्तर्गतएरियाएलाटमेंटकरदियागयाहै, बजटभीआनेपरउपलब्धकरादियाजाएगा।इसकेअन्तर्गतजोक्षेत्रफलआवंटितकियागयाहैवहअनिवार्यहैतथाउसमेंपरिवर्तननहींकियाजाएगा। सी.एफ.एल.डी. तिलहन-दलहनकेअन्तर्गतकेवीकेजोभीकिसानचयनितकरेंउनकीसूचीअटारीकोअवश्यभेजें।सी.एफ.एल.डी. केअन्तर्गत1क्लस्टर10है.काबने।सी.एफ.एल.डी. दलहनमेंजिसमेंजिनका100है. सेअधिककाक्षेत्रहैवे1वर्षकेलियेपल्सेसटेक्नोलाजीएजेन्टरखेंगे।भाकृअनुपकीतरफसेजोबायोफोर्टिफाइडकिस्मेंजारीकीगईहैंउनका10प्रतिशत तथा10प्रशितएस्पेरेशनलडिस्ट्रिक्टकाप्रदर्शनलगायें।समस्तएफएल.डी. कीजियोटैगिंगकरानाजरूरीहै।एस.सी.एस.पी. प्रोजेक्टभारतसरकारकामहत्वपूर्णप्रोजेक्टहैपरन्तुइसकेअनतर्गतबहुतकमधनराशिखर्चकीगईहै, धनराशिबचनेपरपरपैसावापसचलाजाताहैतथाबजटकमहोजाएगाअतःकेवीकेयहसुनिश्चितकरेंकिधनकाउपयोगहो।केवीकमेंविषयवस्तुविशेषज्ञवैज्ञानिकअपनेविषयानुसारकिसानोंसेसंपर्ककरकेप्रयुक्ततकनीकोंपरउनकाफीडबैकलें।डी.एफ.आई. काफारमैटसबकोउपलब्धकरादियागयाहै।प्रत्येककेवीकेकोफारमैटमेंप्रतिकेवीके110किसानोंकीसफलताकीकहानीकाडाक्यूमेंटेशनकरनाहै। केवीकेप्रदर्शनोंकीफोटोग्राफीकेलियेमोबाइलकैमराकीजगहडिजीटलकैमराकाप्रयोगकरें।अधिकतरकेवीकेकोकैमराउपलब्धकरायागयाहै।प्रदर्शनोंसेपहलेंएवंबादमेंअच्छीक्वालिटीकीफोटोअवश्यलें।एफ.पी.ओ. कीजानकारीदेनेकेलियेकेवीकेकैम्पसमेंफ्लोचार्टएवंअन्यजानकारियोंकेचार्टअवश्यउपलब्धकरायेंजिससेकिसानजानकारीप्राप्तकरसकें।

कार्यशालामेंडा. अतरसिंहभाकृअनुप-अटारीकानपुरनिदेशक, अटारीकेप्रधानवैज्ञानिकएवंअधिकारी, समस्तउ.प्र. राज्यकृषिविश्वविद्यालयोंकेनिदेशकप्रसार, भाकृअनुपसंस्थानोंकेनिदेशक, कृषिविज्ञानकेन्द्रोंकेअध्यक्षएवंवैज्ञानिकसहित200सेअधितकीसंख्यामेंप्रतिभागीआनलाइनउपस्थितरहे।